>

Title: Need to set up milch-animal breed improvement centres in Barmer district of Rajasthan.

श्री हरीश चौधरी (बाड़मेर): वर्ष 2011 जनगणना के अनुसार देश की सत्तर प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है। मेरे संसदीय क्षेत्र के बाड़मेर एवं जैसलमेर जिलों में यह प्रतिशत 80 से 85 तक है। गांवों में निवास करने वाली इस आबादी के जीवन यापन का मुख्य स्रोत कृषि व पशुपालन रहा है। लेकिन मेरे क्षेत्र में पशुपालन को सरकारी योजनाओं से प्रोत्साहन नहीं मिल पा रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्र के बाड़मेर जिले में पशु संख्या 44 लाख से अधिक है जो कि राजस्थान की कुल पशु संख्या का आठ प्रतिशत है। हमारे क्षेत्र की थार पारकर गाय की नस्ल बहुत दुधारू नस्ल थी लेकिन संरक्षण व संवर्द्धन के अभाव में लुप्त प्रायः हो गई है। यहां के ऊंट सैन्य उपयोग में आते हैं। देश में गाय, ऊंट, भेड़ बकरी के लिए बड़े संस्थान संचालित हैं लेकिन पशु संख्या की अधिकता को देखते हुए इन संस्थाओं को राजस्थान में स्थापित किए जाने की आवश्यकता है।

मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि बाड़मेर जिले में थार पारकर गाय नस्ल संवर्द्धन, भेड़ बकरी, ऊंट हेतु संस्थान स्थापित किये जाने की कार्रवाई करायें।